VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 0984013

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : रजनीश पटेल।

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
हिन्दी

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

तारीख
Date
27/08/23

केंद्र
Centre Bhai Jaga Singh Public School Delhi

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISION IAS

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल ही में कुछ भारतीय कंपनियों द्वारा ESG प्रणाली को अपनाया गया है। इसकी चर्चा भविष्य में कार्पोरेट नैतिकता को मूर्त रूप देने के संदर्भ में की जा रही है।

ESG दृष्टिकोण :-

→ कंपनी द्वारा अपने कार्यों के पर्यावरणीय प्रभावों, सामाजिक प्रभावों एवं गवर्नेंस मानदंडों का प्रकटीकरण।

बहु हितधारक दृष्टिकोण क्यों महत्वपूर्ण

→ पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन में उपभोक्ता, पर्यावरण आदि विविध हितों के समावेशन के बिना वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन संभव नहीं है।

→ सामाजिक प्रभावों एवं गवर्नेंस के एकीकरण से सामाजिक क्षति एवं कानूनी दायित्व दोनों की पूर्ति की जा सकती है।

→ बहुहितधारक दृष्टिकोण का एकीकरण कंपनी के निवेशकों को एक स्पष्ट तस्वीर प्रदान कर निवेश योग्यता में सुधार करेगा।

→ भविष्य में कंपनी को सामाजिक प्रतिरोध अथवा कानूनी अवमानना जैसी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा।

उपर्युक्त लाभों को दृष्टिगत रखकर ESG मूल्यांकन पद्धति को कार्पोरेट शासन में संस्थागत रूप दिए जाने की आवश्यकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. (b) भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भ्रष्टाचार की बहुव्याप्ति का एक प्रमुख कारण इसके संदर्भ में सामाजिक स्वीकृति अथवा 'नकारात्मक अभिवृत्ति का अभाव' है। करप्शन परसेप्शन सूचकांक जैसी रिपोर्ट में भी यह तथ्य उल्लिखित हुआ है।

भ्रष्टाचार हेतु मांग पक्ष का योगदान

- यह प्रमुख रूप से दोषी होता है
- यदि मांग पक्ष न हो अर्थात अधिकारी ईमानदार हो तो आपूर्ति पक्ष चाहकर भी भ्रष्टाचार नहीं कर सकता।
- उदा. अशोक खेमका जैसे अधिकारी

आपूर्ति पक्ष की भूमिका :-

→ यह भ्रष्टाचार का लोभ देकर अधिकारी में नैतिक द्वैध का सृजन करते हैं।
→ ये भ्रष्टाचार को एक साधन के रूप में स्थापित करते हैं।

(उदा० → जैसे ~~रिश्वत~~ देकर सरकारी नियुक्ति प्राप्त करना।)

भ्रष्टाचार विरोधी संस्था के समक्ष संकट :-

→ उत्तरदायित्व किसका सुनिश्चित किया जाय?
→ दोनों की परस्पर सहमति होने से भ्रष्टाचार उजागर करना मुश्किल होता है।
→ प्रमुख दोषी के निर्धारण करने की भी चुनौती रहती है।

वस्तुतः भ्रष्टाचार की संस्कृति को दूर करने हेतु बहुस्तरीय प्रयास की आवश्यकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (a) नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नागरिक चार्टर से आशय नागरिक अथवा उपभोक्ता को प्रदत्त की जाने वाली समस्त सेवाओं के विवरण, प्रक्रिया की जानकारी शिकायत निवारण तंत्र आदि उपलब्ध कराने से है। सर्वप्रथम ब्रिटेन में जॉन मेजर की सरकार द्वारा इसे अंगीकृत किया गया।

नागरिक चार्टर के लाभ :-

- नागरिकों को सेवा प्रदाताओं की स्पष्ट जानकारी मिलती है।
- स्पष्ट प्रतिबद्धताएँ होती हैं।
- शिकायत निवारण तंत्र का प्रावधान।

—: भारत में चुनौतियाँ :-

→ चार्टर निर्माण के समय सहभागिता का अभाव

⇒ चार्टरों की स्थानीय भाषाओं में उपलब्धता सीमित।

⇒ शिकायत निवारण तंत्र का स्पष्ट उल्लेख नहीं।

⇒ चार्टरों को समय के साथ अद्यतित करने की प्रणाली का अभाव।

⇒ द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग द्वारा भारतीय नागरिक चार्टरों पर 'वन साइज फिट फॉर ऑल' दृष्टिकोण अपनाने का आरोप।

⇒ समयबद्ध प्रतिबद्धताओं की कमी दिखाई देती है।

नागरिक चार्टरों के अगले कदम के रूप में गारंटीकृत कानूनी प्रावधानों के निर्माण की आवश्यकता है, 2011 के बिल की तर्ज पर।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आधुनिक भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली लोक कल्याण को प्राथमिक उद्देश्य के रूप में धारित करती है जिसका सर्वप्रमुख साधन सार्वजनिक सेवा वितरण है।

उदा० खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत खाद्यान्न वितरण।

भारत में सार्वजनिक सेवा वितरण की स्थिति

सकारात्मक पक्ष :-

→ धर्म, जाति, लिंग, जन्म स्थान के आधार पर विभेद करने से रोक है (अनु० 14,15,16)

→ सामाजिक अंकेक्षण जैसे कार्यक्रमों द्वारा जवाबदेहिता सुनिश्चित करने का प्रावधान

↳ उदा० मनरेगा अधिनियम।

→ पारदर्शिता हेतु RTI अधिनियम जैसे प्रावधान हैं।

→ भारत द्वारा आयुष्मान बीमा जैसी विश्व के सबसे बड़े कार्यक्रमों का जैसे समय से संचालन किया जा रहा है।

नकारात्मक पक्ष :-

→ भ्रष्टाचार की व्याप्ति।

↳ उदा० करप्शन परसेप्शन सूचकांक में निम्न अवस्थिति।

→ भाई-भतीजावाद, जातिवाद का आग्रह पूर्णतः समाप्त नहीं हुआ है।

→ पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने सेवा वितरण में समावेशिता को सर्वप्रमुख चुनौती माना।

इस संदर्भ में द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की अनुशंसाओं को दृष्टिगत रखकर सुधार की आवश्यकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" – लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words) 10

धन संचय के संदर्भ में यही विचार महात्मा गांधी जैसे विद्वानों के भी है। उनके ट्रस्टीशिप सिद्धांत के आलोक में इसे समझा जा सकता है।

बुद्धिमान व्यक्ति धन का संचय क्यों नहीं करता?

- वह धन को 'साध्य' नहीं बल्कि 'साधन' मानता है।
- उसे पता है कि दुःख का कारण धन का अभाव नहीं बल्कि महत्वाकांक्षाओं की अधिकता ही (बुद्ध का दर्शन)
- वह धन का व्यय सामाजिक आर्थिक उद्देश्यों सेवा नैतिक लक्ष्य निर्धारित करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

दूसरों को देने से क्या लाभ?

→ सामूहिक प्रगति सुनिश्चित होती है। वस्तुतः आधुनिक लोकतांत्रिक प्रणालियों में इसी को 'संसाधनों का पुनर्वितरण' की संज्ञा दी जाती है।

→ दूसरों को देने से आवश्यक पड़ने पर उससे प्राप्ति की आकांक्षा भी हम रख सकते हैं।

वस्तुतः उपर्युक्त कथन के सार को कबीर की अधोलिखित पंक्तियों के द्वारा समाहित किया जा सकता है।

"साईं इतना दीजिए जामे कुटुम्ब समाय।
अपना भी पेट भरे और न भूखा जाय।"

3. (b) "यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।" - रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वस्तुतः अनुकरण की प्रवृत्ति सामान्य मानवीय अभिलक्षण है। यह अनुकरण प्रायः पदानुक्रम में ऊपर से नीचे की ओर मूल्य तटस्थ रूप में होता है। एम. एन. श्रीनिवास जैसे समाजशास्त्रियों के संस्कृतिकरण के संदर्भ में भी इसे समझा जा सकता है।

शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता का प्रभाव :-

① अनैतिक कार्य संस्कृति का निर्माण होता है।
↳ उदा. यदि कोई कंपनी का शीर्ष नेतृत्व पर्यावरण के प्रति बेपरवाह है तो सामान्य कर्मचारी के व्यवहार में पर्यावरणीय नैतिकता की अपेक्षा नहीं की जा सकती है।

② अनैतिकता को स्वीकृति मिलती है।
↳ उदा. ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी में

ऊपर से नीचे तक सभी अधिकारियों द्वारा स्थानीय नागरिकों का उत्पीड़न करना।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(c) शीर्ष नेतृत्व अनैतिक कृत्य हेतु दबाव बना सकता है।

→ उदा० कई बार पदानुक्रम में नीचे के अधिकारी सीनियर के दबाव में भ्रष्ट गतिविधि में लिप्त हो जाते हैं।

सीमित संदर्भों में यह सकारात्मक संबंध अनुपस्थित भी हो सकता है।

→ उदा० व्हिसिलब्लोअर द्वारा उच्च नेतृत्व के अनैतिक कृत्यों का रहस्योद्घाटन।

वस्तुतः नेतृत्व की भूमिका तथा प्रभाव उसके चरित्र एवं आचरण द्वारा निर्धारित होती है।

3. (c) "कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

वस्तुतः जॉन लॉक कानून को राज्य हितों को पोषित करने वाले साधन के विपरीत नागरिक हितों को सुरक्षित करने वाले साधन के रूप में देखते हैं।

कानून द्वारा स्वतंत्रता का संरक्षण एवं वृद्धि :-

→ यह स्वतंत्रता को गारंटीकृत स्वरूप में प्रदान करता है।

→ उदाहरण: भारतीय संविधान के भाग-3 में मौलिक अधिकारों का उल्लेख।

→ कानून के माध्यम से एक व्यक्ति द्वारा दूसरे की स्वतंत्रता में अतिक्रमण को सीमित किया जा सकता है।

→ कानून राज्य के मनमाने कृत्य से भी सुरक्षा प्रदान करने का साधन बन सकता है।

हालांकि कानून द्वारा कई बार स्वतंत्रता को सीमित भी किया जाता है :-

(1) Art 19 द्वारा प्रदत्त स्वतंत्रता पर युक्तियुक्त प्रतिबंध।

(2) सेंशरशिप जैसी प्रणालियाँ।

हालांकि गहराई में देखने पर इनका उद्देश्य भी सकारात्मक नजर आता है। वस्तुतः कानून मूल्य तटस्थ होते हैं। इनका प्रयोक्ता ही इनके परिणाम को निर्धारित करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (a) दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

फिलान्थ्रॉपी की संस्कृति को महात्मा गांधी के ट्रस्टीशिप सिद्धांत से जोड़कर समझा जा सकता है।

परोपकार से लाभ

→ धन के संकेंद्रण की जगह पर पुनर्वितरण।
↳ उदाहरण अजीम प्रेमजी द्वारा दान।

→ जन कल्याण में अभिवृद्धि।
↳ इस धन का भुखमरी, गरीबी आदि दूर करने में उपयोग होने से।

→ सामाजिक सकारात्मक परिवर्तनों को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से।
↳ अमेरिकी शिक्षा व्यवस्था में परोपकारी धन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सीमाएँ

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- कई बार ये परोपकारी कार्य सामाजिक छवि, ब्रांडिंग जैसे व्यापक हित द्वारा संचालित।
- कर लाभ के प्रयत्न में भी ऐसे कार्य किए जाते हैं।
- कई परोपकारी संस्थाओं पर विदेशों में जासूसी, प्रोपेगेंडा जैसे अनैतिक कार्य करने का आरोप भी लगा है।
- यह राशि अत्यंत कम है।

वस्तुतः परोपकार एक सद्गुण है जिसका कृत्रिम उपयोग नहीं होना चाहिए। यह जन कल्याण के लिए पर्याप्त न होकर अन्य प्रयासों का पूरक मात्र है।

4. (b) चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को तकनीक के क्षेत्र में नैतिकता के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है इसमें अधोलिखित नैतिक चिंताएँ व्याप्त हैं:–

① निष्पक्षता :– ChatGPT जैसे की ट्रेंड एप्लीकेशन में पूर्वाग्रह की शिकायत व्यापक स्तर पर हुई है।

② पारदर्शिता :– डाटा ग्रहण, एल्गोरिदम आदि के संदर्भ में पारदर्शिता का अभाव।
→ डीप फेक जैसे नैतिक संकट।

③ नौकरी का संकट :–
→ बड़ी मात्रा में नौकरियों के खत्म होने का भय है।

अन्य नैतिक दुविधाएँ

- मानवीय भावनाओं के विनाश का भय।
- मानव पर तकनीक के हावी होने का संकट।

वस्तुतः इस संदर्भ में वैश्विक समन्वय एवं सहयोग द्वारा विनियामकीय प्रावधान की आवश्यकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (a) शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्वामी दयानंद सरस्वती भारतीय समाज सुधार आंदोलन के प्रमुख नेता थे। उन्होंने 'आर्य समाज' संस्था, 'सत्यार्थ प्रकाश' पुस्तक एवं 'वेदों की ओर लौटो' नारे के माध्यम से अपने सैद्धांतिक पक्ष को स्पष्ट किया।

समकालीन भारतीय विमर्श में प्रासंगिकता

→ जातीय चेतना कमजोर करने में :- आर्य समाज ने इसे खारिज कर अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहन दिया।

→ अतीत के प्रति गौरव :- वेदों की ओर लौटो नारे के माध्यम से पुनरुत्थानवादी दृष्टिकोण।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शिक्षा के महत्व की स्थापना

→ गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय एवं DAV कॉलेज के द्वारा आर्य समाजियों ने शिक्षा की चेतना जगाई। समकालीन संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है।

स्त्री पुरुष समानता जैसे तत्व भी आर्य समाज के अभिलक्षण।

(सीमाएँ)

→ 'आर्य जाति' की अवधारणा में समस्त भारत शामिल नहीं हो पाता।

→ पुनरुत्थानवादी दृष्टिकोण, शुद्धि आंदोलन आदि आज सामाजिक रूप से तनाव का सृजन कर सकते हैं।

वस्तुतः आर्य समाज के सिद्धांतों को समकालीन विमर्श एवं विवेक के अनुरूप आगे करने की जरूरत है।

5. (b) निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following in 30 words each : 2 x 5 = 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण
Dedication to public service

↳ यह 'अधिकार-चेतना', 'प्रभुत्व की कामना' की जगह कर्तव्य चेतना का सृजन करता है।

उदा० IAS सौम्या पांडेय द्वारा प्रेग्नेंसी की स्थिति में COVID-19 ड्यूटी का निर्वहन।

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात
Non-partisanship in civil service

↳ किसी भी राजनैतिक विचारधारा के प्रति समर्पित न करना।

→ यह 'समर्पित लोकसेवा' (Committed Beaurocracy' के विपरीत अवधारणा है।

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता
Objectivity in decision-making

↳ अपने पूर्वाग्रहों से परे जाकर तार्किक रूप से गुण-दोष का विवेचन करने की क्षमता।

→ उदा० नीति निर्माण में जाति का लिंग, धर्म, जन्म स्थान निरपेक्ष मानदंड।

(iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

→ विपरीत विचारों को भी महत्व देने की प्रवृत्ति।
→ भारतीय दार्शनिक चिंतन में इसे 'सर्वधर्म समभाव' जैसे वाक्यों में देखा जा सकता है।
→ यह सामाजिक संस्कृति का आधार है।

(v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

→ कमजोर के प्रति संवेदनात्मक भाव की अभिव्यक्ति को करुणा कहते हैं।
→ यह एक मानवीय सद्गुण है।
→ एक अधिकारी द्वारा पीड़ित को देखकर मोह आई हो उठना।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (a) भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भावनात्मक बुद्धिमत्ता को डेनियल गोलमैन द्वारा अधोलिखित गुणों के समुच्चय के रूप में परिभाषित किया गया है।

1) Self motivation (स्वप्रेरणा)
2) Self Regulation (स्व नियमन)
3) Social Skills (सामाजिक कौशल)
4) Empathy (समानुभूति)
5) Self Awareness (स्वजागरूकता)

→ स्वप्रेरणा बड़े लक्ष्य के प्रति समर्पण हेतु आवश्यक। अटल बिहारी वाजपेयी के भीतर 'हार नहीं मानूंगा

रात नहीं ठानुगा का भाव।

② स्वनियमन :- अनुशासन के द्वारा व्यक्ति जीवन उद्देश्य को साध ~~सक्ता~~ सकता है।

↳ "करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।"

③ Empathy & Social Skill

↳ इसे आमबोलचाल में अंतर्वैयक्तिक कौशल कहते हैं।

↳ उदा० → महात्मा गांधी

वस्तुतः गोलमैन जैसे विचारकों ने E.Q. को I.Q. से अधिक महत्वपूर्ण माना है।

6. (b) राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत में बॉटम अप जवाबदेही को लागू करने के क्रम में सामाजिक अंकेक्षण (मनरेगा अधिनियम) जैसी परम्परा को महत्व मिला।

पारम्परिक जवाबदेही की सीमा

- बहुहितधारक दृष्टिकोण का अभाव।
- सहभागिता की कमी।
- हित-विरोधिता जैसे संकट।
- भ्रष्टाचार जैसी प्रवृत्ति को रोकने में असफल रही है।

बॉटम अप नागरिक निर्देशित के लाभ

- सहभागिता के तत्व की उपस्थिति।

⇒ ज़मीनी प्रभाव का मूल्यांकन।

⇒ अनौपचारिक तौर से रथा

⇒ विकास की विकेंद्रित प्रणाली का विकास

वस्तुतः नागरिक केंद्रित प्रशासन एवं सुशासन के अनिवार्य तत्व के रूप में इसका विकास हो रहा है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

7. भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?

(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

With reference to this case study, answer the following:

(a) What are the issues involved in this case?

(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त केस स्टडी में कानून प्रवर्तन के साधन के रूप में टकनीक के अनुप्रयोग एवं वैयक्तिक मौलिक अधिकारों के बीच द्वैध की स्थिति नजर आती है।

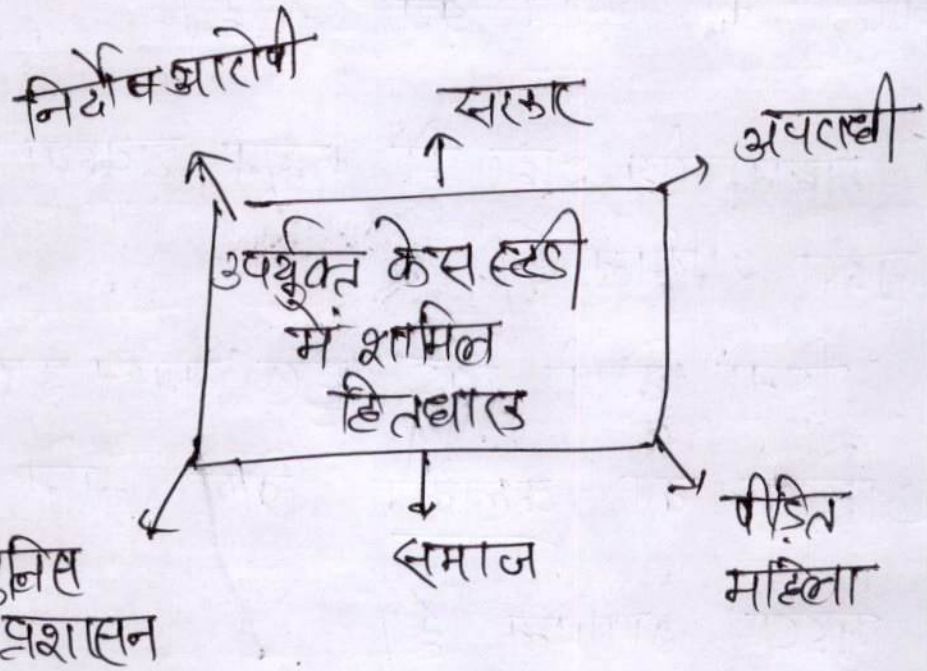

उपर्युक्त प्रकरण में शामिल मुद्दे :-

(1) उपर्युक्त केस स्टडी में कानून के शासन (अनुच्छेद- 14) को लागू करने के

क्रम में संविधान द्वारा प्रदत्त 'गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार' (Art 21) के अतिक्रमण की स्थिति नजर आती है।

② चेहरे की पहचान तकनीक के अनुप्रयोग से 'निजता के उल्लंघन' (पुट्टास्वामी वाद) की स्थिति बन रही है।

③ महानगरीय शहर में कानून व्यवस्था का मुद्दा शामिल है।

④ बिना दोषी सिद्ध हुए समाज द्वारा आरोपी को कलंकित किए जाने का मुद्दा शामिल है।

⑤ कानून प्रवर्तन के क्रम में निर्दोषी के प्रताड़ित होने का मुद्दा शामिल है।

⑥ तकनीक की विश्वसनीयता का मुद्दा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभाव

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

⇒ तकनीक पर शत प्रतिशत निर्भरता से निर्दोषी प्रताड़ित हो सकता है।

⇒ तकनीक का दुरुपयोग राज्य द्वारा व्यक्तियों के अधिकारों को सीमित करने हेतु किया जा सकता है।

⇒ तकनीकी साधनों में मानवीय संवेदना का अभाव भी उनकी सीमाओं को उल्लेखित करता है।

नकारात्मक प्रभावों को कम करने हेतु उपाय

⇒ "सौ दोषी भले छूट जाएँ किंतु एक निर्दोष प्रताड़ित न हो" के सिद्धांत का अनुपालन हो।

⇒ तकनीक को 'एकमात्र समाधान' न बनाया जाय। अन्य परंपरागत प्रक्रियाओं के सहायक के रूप में इसका अनुप्रयोग हो।

⇒ कानून प्रवर्तन के क्रम में तकनीक का साधन के रूप में प्रयोग करते समय साधन साध्य की पवित्रता का अनुपालन हो।

⇒ तकनीक का अनुप्रयोग उत्तरदायी एवं जिम्मेदार संस्था द्वारा एक दिशानिर्देश के साथ हो।

साथ ही साथ निजता एवं गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार को वरीयता दी जानी चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

8. रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटर्न के रूप में काम कर रहे थे। इंटर्नशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटर्नशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटर्न के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटर्न के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटर्न ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

(a) रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?

(b) उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।

(c) उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।

(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she was has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

In the given situation:

(a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण का अभाव भारत में महिलाओं की निम्न श्रम बल भागीदारी (वर्तमान में 32.8%) हेतु उत्तरदायी कारकों में सर्वप्रमुख है। यह लैंगिक अंतराल सृजन में भी योगदान देता है।

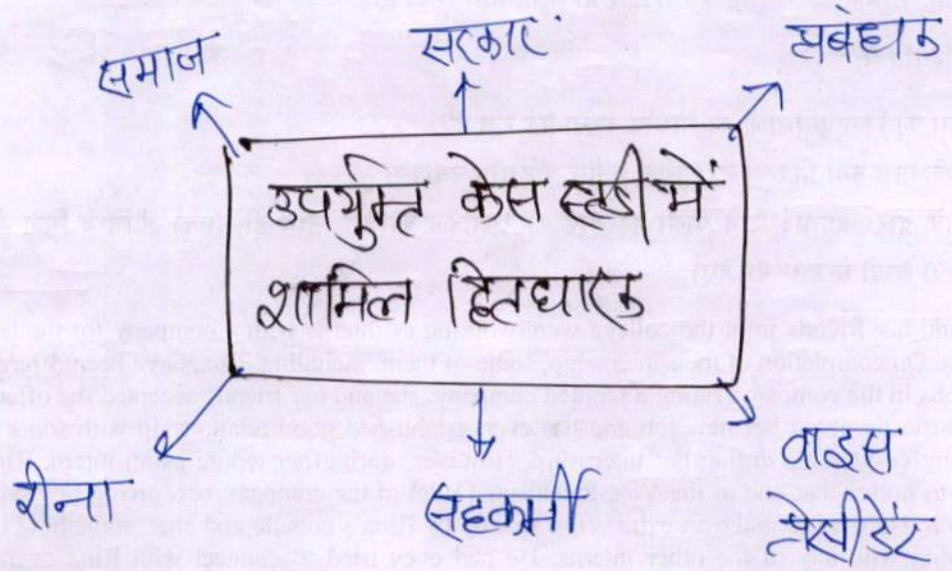

उपर्युक्त केस स्टडी में रीना को अधोलिखित दुविधाओं का सामना

करना पड़ रहा है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(1) वह ~~अपना~~ वाइस प्रेसिडेंट के व्यवहार को ठीक-ठीक प्रत्यक्षीकरण करने में असमर्थ है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता की सीमा से आंतरिक स्तर पर द्वैध की स्थिति।

(2) वह वाइस प्रेसिडेंट को लेकर प्रबंधक से वार्तालाप करने के संदर्भ में भी दुविधाग्रस्त है।

(3) सहकर्मियों के साथ इस व्यवहार पर खुल कर बात करने में भी वह असमर्थ है।

वस्तुतः रीना के लिए यह मनोवैज्ञानिक तनाव की स्थिति है। उपर्युक्त स्थिति में रीना के पास अधोलिखित विकल्प उपस्थित हैं —

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विकल्प-1 :- रीना स्पष्टता के अभाव में इस विषय पर कोई बात किसी से न कहे

लाभ

→ यदि रीना को वाइस प्रेसिडेंट के विशेष व्यवहार का भ्रम है तो यह समय के साथ दूर हो जाएगा।

→ ⓐ संभावित बॉस के साथ तनावपूर्ण संबंध का सृजन नहीं होगा।

हानि

→ वाइस प्रेसिडेंट के नकारात्मक दृष्य संबंधी मनोबल में वृद्धि हो सकती है।

→ सहकर्मियों की उलाहनाओं का शिकार होना पड़ेगा।

विकल्प-2 रीना संबंधक से बात करने की बजाय सीधे V.P. के विरुद्ध शिकायत करे।

लाभ

→ यदि V.P बुरा है तो वह दंडित होगा।

हानि

→ यदि यह केवल रीना का भ्रम हुआ तो आगे VP के साथ सहज कार्य करना मुश्किल।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विकल्प 3 प्रबंधक एवं सहकर्मियों से संवाद करके एवं आगे V.P के समक्ष भी संवाद द्वारा स्थिति को स्पष्ट करना।

⇒ रीना को इसी तृतीय विकल्प को ही अपनाना चाहिए।

⇒ प्रबंधक से अपनी दुविधा स्पष्ट करने से मनोवैज्ञानिक दबाव कम होगा।

⇒ अनुभवी अवलोकन द्वारा V.P के व्यवहार को प्रत्यक्ष कर आवश्यक कार्यवाही की जा सकेगी।

⇒ रीना किसी संभावित दुर्घटना से भी बच सकेगी।

अतः मैं तृतीय विकल्प के चयन को ही उत्तम मानता हूँ।

9. आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?

(c) विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

(a) What are the ethical issues involved in the above case?
(b) How will you resolve the issues in the given case?
(c) What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words) 20

उपर्युक्त केस स्टडी में
शिक्षा व्यवस्था में संगठित भ्रष्टाचार एवं अपराध
से शिक्षा के उद्देश्य के असफल होते
जाने की स्थिति उत्पन्न की गयी है।

उम्मीदवारों को इस क्षेत्र में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

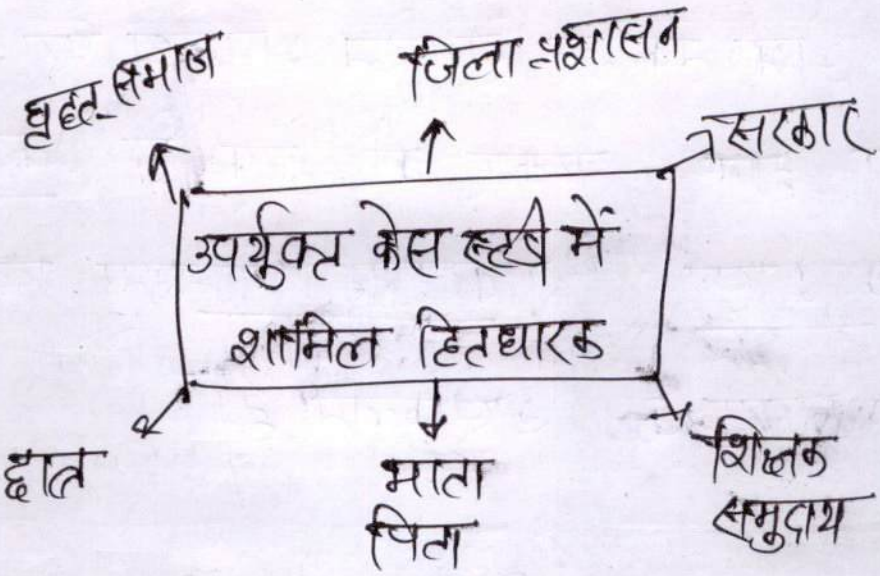

उपर्युक्त प्रकरण में शामिल मुद्दे :-

(1) शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार का मुद्दा सामाजिक नैतिकता के विरुद्ध।

(2) शिक्षकों द्वारा अपनी व्यवसायिक नैतिकता (Professional Ethics) का अनुपालन न करना।

(3) शिक्षा जैसी आवश्यक सेवा में नियोजित कर्मियों द्वारा हड़ताल की धमकी कर्तव्य चेतना के अभाव का परिचायक।

→ अभी तक इस संगठित अपराध पर कार्यवाही न होना सरकार की तरफ से कानून के शासन, सार्वजनिक नैतिकता एवं व्यवस्था की असफलता है।

उपर्युक्त प्रकरण में समाधान का रास्ता

⇒ चूँकि यह एक संगठित अपराध की स्थिति है अतः इसमें एक समिति द्वारा जाँच की जानी चाहिए

⇒ जो भी शिक्षक अथवा सरकारी कर्मचारी दोषी पाया जाता है उसके विरुद्ध विधि सम्मत कार्यवाही होनी चाहिए।

⇒ उन छात्रों को भी दंडित किया जाना चाहिए जो नकल में संलग्न थे ताकि इस संबंध में प्रेरणा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रभाव कमजोर हो।

⇒ माता-पिता एवं रिश्तेदारों का भी उत्तरदायित्व सुनिश्चित होना चाहिए।

⇒ अल्पकाल में कर्मचारी की आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु संविदा पर भर्ती का रास्ता अपनाया जा सकता है।

⇒ सभी कार्यवाहियों को जन संचार माध्यमों के द्वारा प्रसारित किया जाना चाहिए ताकि जागरूकता का सृजन हो।

(ऐसे खतरे से निपटने हेतु दीर्घकालिक रणनीति)

⇒ नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बच्चों के मूल्यांकन में प्राप्त अंकों की जगह अधिगम क्षमता एवं कौशल के

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मूल्यांकन की व्यवस्था स्थापित की जाय।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

⇒ परीक्षाओं को आयोजित करने की जिम्मेदारी किसी जिम्मेदार संस्था को पूरे उत्तरदायित्व के साथ सौंपा जाना चाहिए।

⇒ नकल गिरोह के विरुद्ध कठोर कार्यवाही के द्वारा उदाहरण स्थापित हो।

⇒ अभिभावकों एवं रिश्तेदारों की काउंसलिंग द्वारा शिक्षा के महत्व एवं उद्देश्य को स्पष्ट किया जाय।

वस्तुतः शिक्षा सामाजिक प्रगतिशीलता का एक महत्वपूर्ण साधन होने के साथ साथ मौलिक अधिकार (21A) के रूप में पवित्र साध्य भी है। अतः इसकी शुचिता बरकरार रखी जानी चाहिए।

10. गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a $540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

(a) What are the ethical issues in the given case study?
(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत द्वारा प्रस्तावित डीप ओसन मिशन के समक्ष पर्यावरण एवं विकास के मध्य संतुलन स्थापित करने की चुनौती है। राष्ट्रीय हितों एवं मूल्यों के बीच भी संतुलन स्थापित करने का दबाव है।

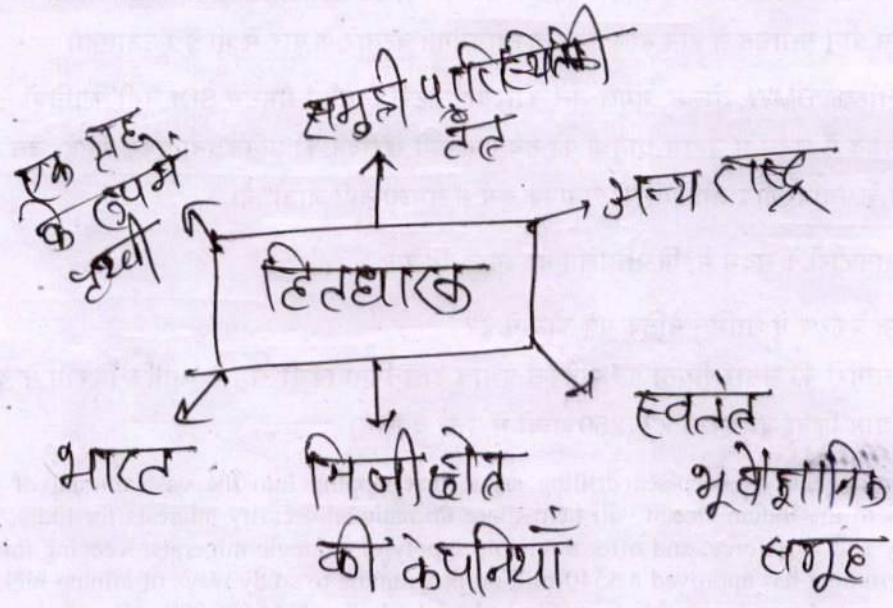

उपर्युक्त केस स्टडी में शामिल नैतिक मुद्दे :

① पर्यावरणीय नैतिकता का मुद्दा सर्वप्रमुख है। पर्यावरण को होने वाले नुकसानों

की स्पष्ट जानकारी के अभाव में यह स्थिति है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

② अंतर्राष्ट्रीय नैतिकता का मुद्दा भी शामिल है। क्योंकि समुद्र में संसाधनों के दोहन से यह जुड़ा हुआ है।

③ भारत जैसे संसाधन के दबाव का सामना कर रहे राष्ट्र के समक्ष लोककल्याण एवं संवृद्धि का नैतिक दायित्व भी है।

④ निजी कंपनियों के दृष्टिकोण से इस केस स्टडी में कारपोरेट नैतिकता का मुद्दा भी शामिल है।

⑤ संसाधनों के समतापूर्ण वितरण का मुद्दा।

संघात्मकता पर प्रभाव डाले बिना राष्ट्र का आर्थिक विकास कैसे हो?

⇒ इस संदर्भ में एक विशेषज्ञ समिति का

गठन किया जा सकता है जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विविध धारकों के प्रतिनिधि हों।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

⇒ संभावित कार्यवाहियों के पर्यावरणीय प्रभावों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

⇒ इस समस्त प्रक्रिया में मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में आर्ने नेस की डीप इकोलॉजी सिद्धांत एवं 'साधन साध्य की पवित्रता' के सिद्धांत का अनुसरण किया जा सकता है।

⇒ आर्थिक हितों एवं राष्ट्रीय लक्ष्यों को पूर्णतः खारिज करना संभव नहीं है अतः 'मध्यम मार्गी' दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता।

→ इस अभियान की आर्थिक व्यवहार्यता के पक्ष पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ समुचे संसाधनों के अन्वेषण एवं उपभोग के संदर्भ में अंतर्दृष्टीय मानकों को तैयार करने की आवश्यकता है।

उपर्युक्त पक्षों को इंगित रखकर आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

"प्रकृति सभी लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती है किंतु किसी की लालच का नहीं।"

— महात्मा गांधी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

(1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।

(2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।

(3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

(a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?

(b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:

(1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.

(2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.

(3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words) 20

भारतीय लोकतंत्र एक तरफ जहाँ मूल अधिकार (अनुच्छेद 25-28) के रूप में धार्मिक स्वतंत्रता को मान्यता देता है वहीं विविध वादों के द्वारा A-21 द्वारा प्रदत्त गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार की व्याख्या न्यायालय ने स्वच्छ, प्रदूषण रहित शांत वातावरण के अधिकार के रूप में की है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

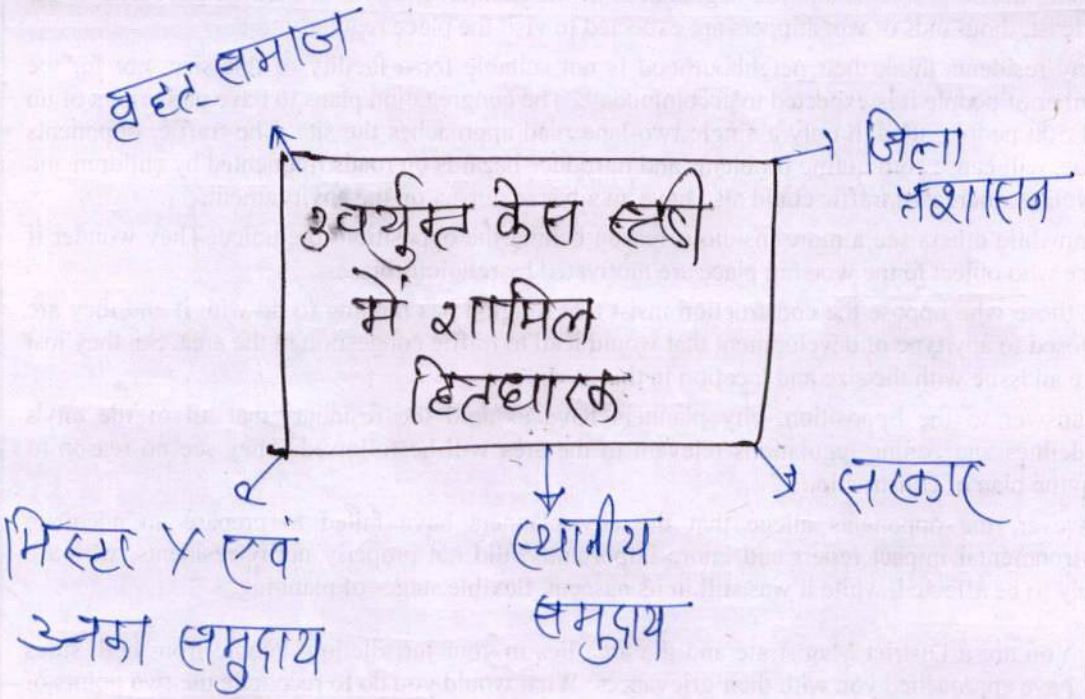

विकल्प-1. होटल के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज कर धार्मिक मूर्ति स्थल बनाने की अनुमति देना।

गुण	दोष
① दूसरे पक्ष की धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की पूर्ति होगी।	① स्थानीय लोगों के अधिकारों का उल्लंघन हो सकता है।
② पर्यटन आदि के विकास से आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त	② भविष्य में टकराव की स्थिति बन सकती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विकल्प-2 पूजा स्थल के समर्थकों को विश्वास करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।

गुण	दोष
→ स्थानीय लोगों के स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार की सुरक्षा	→ धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन
→ भविष्य में टकराव की संभावना की समाप्ति।	→ इस वर्ग में सामूहिक रूप से अन्याय की भावना या असंतोष का सृजन हो सकता है।

विकल्प-3 पूजा स्थल पर भवन निर्माण के अतिरिक्त नियमों को लागू करना एवं डिजाइन में संशोधन पर बल देना।

गुण	दोष
→ इस समाधान पर दोनों पक्षों के हितों की पूर्ति की जा सकती है।	→ इस पर सभी को सहमत करने हेतु कुशल भावनात्मक बुद्धिमत्ता एवं अनुनय की जरूरत पड़ सकती है।

जिला मजिस्ट्रेट के रूप में मेरी कार्यवाही:-

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

① स्वतंत्र रूप से पर्यावरणीय प्रभाव एवं सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन करवाता।

② विधि सम्मत होने पर पूजा स्थल के निर्माण की अनुमति देता।

③ स्थानीय हितों को दृष्टिगत रखकर ताजमहल परिसर की भाँति गैर प्रदूषणकारी वाहन अथवा नो वेहिकल जोन का निर्माण

④ भीड़ भाड़ की आशंका को दूर करने हेतु विजिटर्स की संख्या पूर्वनिर्धारित की जा सकती है।

⑤ किसी भी निर्णय लेने से पूर्व सभी हितधारकों को विश्वास में लेकर सहमति बनाने का प्रयास होना चाहिए।

12. आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?

(c) आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

(a) What are the ethical issues in the above situation?
(b) What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
(c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त केस स्टडी में पेशेवर हितों एवं नैतिक मूल्यों के बीच टकराहट की स्थिति है।

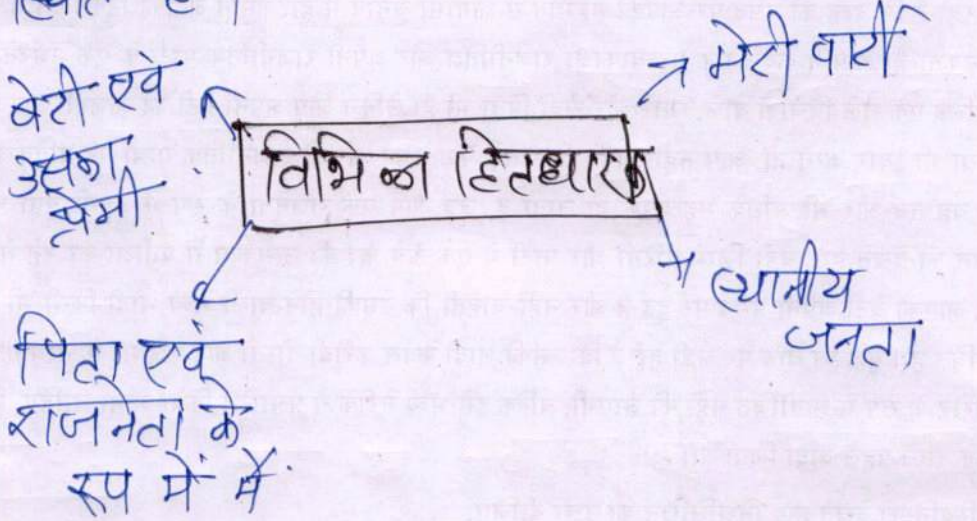

उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे :-

(1) जातिवादी आग्रह के 21वीं शताब्दी में व्याप्ति का नैतिक मुद्दा।

(2) राजनेताओं के निजता के अधिकार का स्थानीय समुदाय द्वारा अनदेखी करना।

(3) राजनीतिक पार्टी द्वारा और राजनीतिक संदर्भ में भी दबाव बनाना।

(4) निजी महत्वाकांक्षा एवं दायित्व के बीच किसी एक के चुनाव का संकट मौजूद है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मेरे समक्ष उपलब्ध विकल्प :-

विकल्प :- मैं महत्वाकांक्षी होकर बेटी के प्रस्ताव को खारिज कर दूँ।

गुण	दोष
→ इससे मेरे पेशेवर जीवन पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।	→ पिता के दायित्व के निर्वहन में मैं असफल होऊंगा।
→ स्थानीय जनता में छवि अच्छी बनी रहेगी।	→ पुत्री को 'चयन की स्वतंत्रता' न देना उसके गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार के विरुद्ध

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विकल्प 2 राजनीतिक हितों की परवाह किए बगैर बेटी के इच्छा की पूर्ति।

गुण

→ पुत्री के 'चयन की स्वतंत्रता' की रक्षा।

→ मेरे द्वारा पिता के दायित्व का प्रभावी निर्वहन।

दोष

→ राजनीतिक रूप से नुकसान।

→ निजी महत्वाकांक्षा को ठेस पहुँचेगी।

विकल्प-3 बेटी के चयन की स्वतंत्रता को स्वीकृति देना किंतु आयोजन अन्यत्र कराने हेतु अनुनयन।

→ इस प्रकार स्थानीय विमर्श को कम किया जा सकेगा।

→ भव्य आयोजन के बावजूद फोटो वीडियो आदि प्रसारित न करना।

→ दीर्घकाल में अंतरजातीय विवाह को

अपनी राजनैतिक कार्यवाही में शामिल कर सामाजिक अभिवृत्ति में परिवर्तन का प्रयास।

इस प्रकार मैं एक पिता के दायित्व की पूर्ति के साथ-साथ नेता के दायित्व की पूर्ति करने में सक्षम होऊँगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK